IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# उद्योगों का सामाजिक ,आर्थिक विकास एवं औद्योगिक नियोजन की आवश्यकता'' जे0 पी0 नगर अमरोहा के विशेष सन्दर्भ में''

[1]Prof. L.B Raval, [2]Manoj kumar
[1]scholar
[1]Scholar

## शोध सारांशः—

प्रस्तुत शोध अध्ययन क्षेत्र जे0 पी0 नगर अमरोहा जनपद के सामाजिक , आर्थिक विकास का औद्योगिक विकास के नियोजन के पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। जनपद के सामाजिक विकास के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। शिक्षा के द्वारा मानव समुदाय के सर्वांगीण विकास और स्वास्थ्य के द्वारा सम्पूर्ण विकास को आधार प्रदान किया जाता है। किसी देश के आर्थिक विकास के लिए शिक्षा ,स्वास्थ्य एवं रोजगार महत्वपूर्ण विन्दु माने जाते है। आर्थिक विकास स्थानीय कृषि व्यवस्था, उद्योग धन्धे , कारखानों आदि के द्वारा मानव के आर्थिक वर्गीकरण में उद्योग एवं विनिर्माण से जुड़े क्रियाकलापों को द्वितीयक आर्थिक क्रियाऐं कहा जाता है। मानव यन्त्र उपकरण औजार बनाने तथा कच्चे माल निर्मित वस्तुओं को बाजार में पूँजी निवेश निर्माण की महत्पूर्ण भूमिका होती है। शोधार्थी के द्वारा अपने अध्ययन क्षेत्र अमरोहा जनपद में सामाजिक आर्थिक विकास का औद्योगिक विकास के दीर्घकालीन अर्थव्यवस्था के नियोजन और विकास के महत्वपूर्ण बिन्दुओं और भूमि उपयोग की समस्या के बढ़ते हुई अनियोजित क्रियाकलाप के कारण अध्ययन क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक औद्योगिक नियोजन की आवश्यकता महसूस की गयी है। क्योंकि बढ़ती हुई जनसंख्या की समस्या भूमि के घटते हुए क्षेत्रफल के कारण अनेक प्रकार का पर्यावरण समस्या उत्पन्न हो रही है। इसलिए विकास को लम्बे समय तक तथा मानव समुदाय को स्वास्थ्य पर्यावरण बनाने के लिए नियोजन की आवश्यकता है। आज भी अमरोहा जनपदवासियों केन्द्र के लिए रोजगार और अजीविका का सबसे बड़ा क्षेत्र कृषि आधारित लघु कुटीर एवं सूक्ष्म उद्योग है। किसी क्षेत्र के विकास में सामाजिक आर्थिक औद्योगिक विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकता होता है।

अध्ययन क्षेत्र के चयनित जनपद जे0 पी0 नगर अमरोहा क्षेत्र उत्तर भारत के विशाल समतल मैदान उत्तर प्रदेश राज्य के उत्तर पश्चिमी भाम में गंगा नदी के बायें किनारे पर स्थित है। इस जनपद का विस्तार 28° 54′ उत्तरी अक्षांश से 39० 6′ उ0 अक्षांश तक और 78०28′ से 78०39′ पूर्वी देशान्तर के मध्य तक है। इसके उत्तर में बिजनौर पश्चिमी संभल, पूर्व में मुरादाबाद स्थित है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2249 वर्ग किमी0 हैं। इसका सामान्य ढाल उत्तर से दक्षिण की ओर है। गंगा के अलावा कृष्णा एवं अन्य नदियां है। 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 1840221 व्यक्ति है। जिसमें 1381511 ग्रामीण जनसंख्या है तथा 458710 नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या निवास करती है। उद्योगों की स्थापना और औद्योगिक विकास का स्तर किसी भी राष्ट्र अथवा देश के लिए यदि गौरव का अनुभूति होते है। वरन् राष्ट्र का आर्थिक आधार स्तम्भ भी कहे जाते है। अमरोहा जनपद न केवल उत्तर प्रदेश का वरन् उत्तर भारत का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक जनपद है। अमरोहा श्रमिकों का जनपद है। इसी कारण इसका अपना विशिष्ट सामाजिक आर्थिक स्वरूप विकसित है। सड़क परिवहन रेलमार्ग रेलमार्ग ने जनपद के औद्योगिक विकास की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सूक्ष्म प्रदेशों के बहुआयामी अध्ययन उद्योग धन्धे आज के वैज्ञानिक युक मे विकास की कुन्जी है, जिसे क्षेत्र में लोगों की कार्य कुशलता वैज्ञानिक ज्ञान उन्नत अवस्था में होगा। उसी क्षेत्र के लोग आज भी प्रगतिशील समाज में जीवन स्तर का सुधार कर सकते है जबकि लघु उद्योगों का विकास ग्रामीण क्षेत्रों की ओर विकसित होगा , तकनीकी उद्योगों को आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु विशेष आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण के द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास को आधार प्रदान करके ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों को विकसित किया जा सकता है।

## अमरोहा जनपद का प्रशासनिक मानचित्र

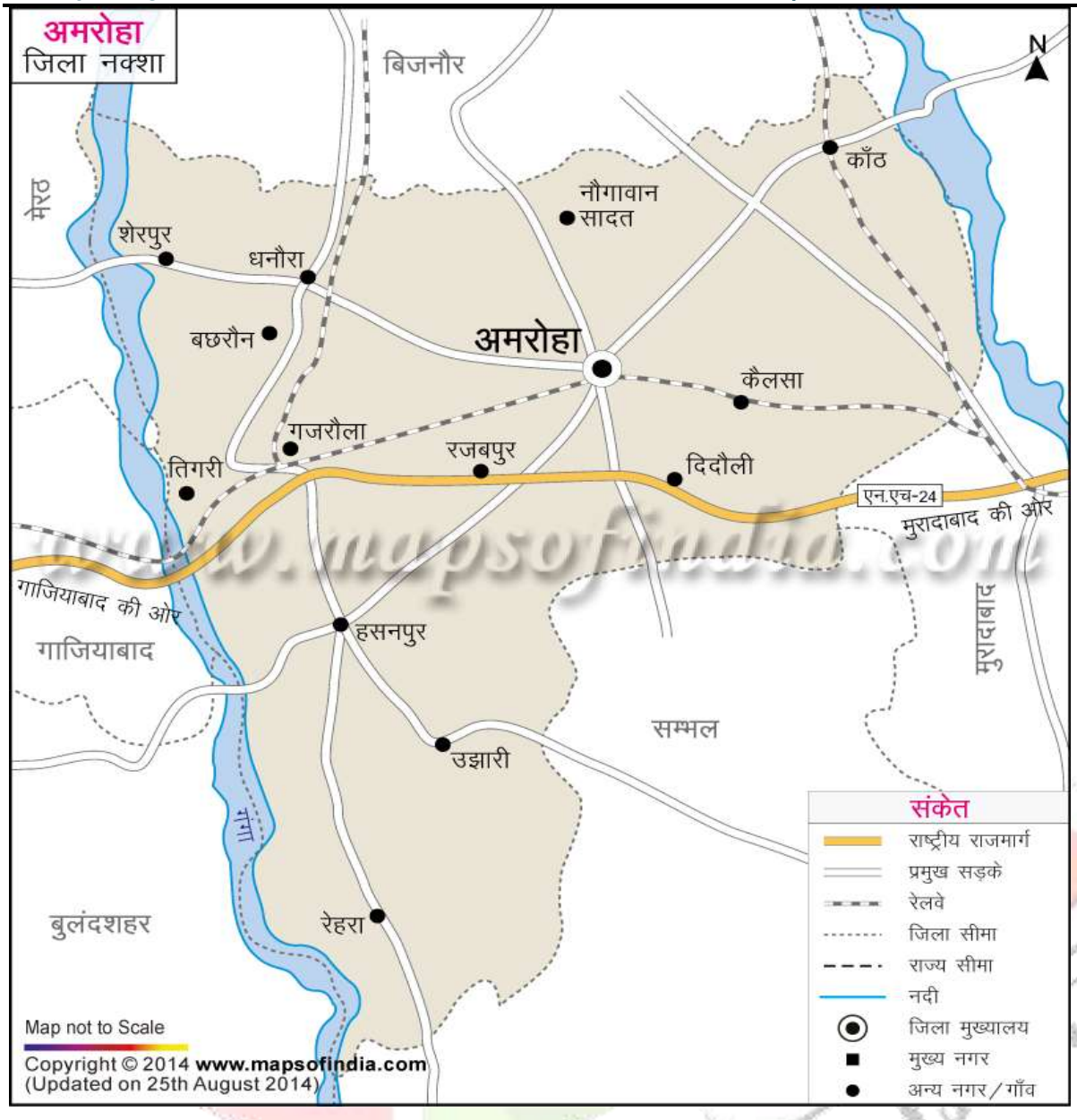


## अमरोहा जनपद में शिक्षा संस्थान की वर्तमानर स्थिति

### 2017–18

| क्र0 सं0 | विकासखण्ड | प्राथमिक | उ0प्राथमिक | माध्यमिक | महाविद्यालय | स्नात्कोत्तर | औद्योगिक | वैकल्पिक शिक्षा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अमरोहा | 319 | 167 | 37 | 10 | 2 | 1 | 0 |
| 2 | जोया | 387 | 203 | 52 | 3 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | धनौरा | 239 | 119 | 38 | 3 | 1 | 0 | 0 |
| 4 | गजरौला | 207 | 105 | 28 | 2 | 0 | 1 | 1 |
| 5 | हसनपुर | 259 | 124 | 26 | 3 | 0 | 1 | 0 |
| 6 | गंगेश्वरी | 217 | 115 | 21 | 2 | 1 | 1 | 0 |
| | | 1628 | 833 | 202 | 23 | 4 | 4 | 1 |
| | | 498 | 240 | 91 | 16 | 6 | 0 | 0 |
| | योग जनपद | 2126 | 1073 | 293 | 39 | 10 | 4 | 1 |

स्रोतः– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा
जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा
जिला सांख्यिकी पत्रिका अमरोहा जनपद 2017–18

जनपद में शिक्षा संस्थानों की वर्तमान स्थिति के अन्तर्गत जनपद की सामाजिक स्थिति के विकास के शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ष 2017–18 के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा की वर्तमान संस्थानों के सामाजिक विकास के स्तर अध्ययन किया गया है। शोधार्थी द्वारा अमरोहा जनपद में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 2126 है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 1628 प्राथमिक विद्यालय है तथा नगरीय क्षेत्रों में 498 प्राथमिक विद्यालय है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 1073 है जिसमें ग्रामीण स्तर पर 833 तथा नगरीय क्षेत्रों में 240 , उच्च प्राथमिक विद्यालय है। माध्यमिक विद्यालय की वर्तमान स्थिति 293 है जिसमें ग्रामीण स्तर पर 202 माध्यमिक विद्यालय है। नगरीय क्षेत्रों में 91 विद्यालय है। स्नातक महाविद्यालय स्तर 39 है। जिसमें ग्रामीण स्तर पर 23 तथा नगरीय क्षेत्रों में 16 महाविद्यालय स्थित है। स्नात्कोत्तर स्तर 10 है। जिसमें ग्रामीण स्तर पर 4 तथा नगरीय क्षेत्रों में 6 स्नात्कोत्तर कालेज है। औद्योगिक विद्यालय 4 है। जिसमें ग्रामीण स्तर पर 4 है। नगरीय क्षेत्रों में 0 है। वैकल्पिक शिक्षा ग्रामीण स्तर पर 1 है।

इस प्रकार शोधार्थी ने शिक्षा का सामाजिक स्तर पड़ने वाले प्रभावों का विकासखण्डवार स्थिति का मूल्यांकन भिन्न–भिन्न प्रकार से किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक विद्यालय उच्च स्तर के प्रखण्डों में जोया 387, अमरोहा 319, हसनपुर 259, घनौरा 239, गंगेश्वरी 217 है तथा न्यूनतम स्तर पर गजरौला 207है। उच्च प्राथमिक स्तर पर प्रखण्ड जोया 203, अमरोहा 167 , हसनपुर 124 उच्च स्तर पर प्रखण्ड है, न्यूनतम स्तर गजरौला 105, गंगश्वरी 115, स्तर पर है। माध्यमिक स्तर पर जोया 52, घनौरा 38, अमरोहा 37, उच्च स्तर के प्रखण्ड है। न्यूनतम स्तर पर गंगेश्वरी 21, हसनपुर 26, न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड है। महाविद्यालय के उच्च स्तर पर प्रखण्डों मे अमरोहा 10, जोया 3, घनौरा 3, हसनपुर 3, है तथा न्यूनतम स्तर पर गंगेश्वरी 2, गजरौला 2, है। स्नात्कोत्तर कालेज उच्च स्तर प्रखण्ड अमरोहा 2, घनौरा 1, गंगेश्वरी 1,है। औद्योगिक विद्यालय अमरोहा 1, गंगेश्वरी 1, घनौरा 1, हसनपुर 1, है । वैकल्पिक विद्यालय गजरौली 1 है। इस प्रकार शिक्षा संस्थानों के द्वारा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के सामाजिक विकास संस्थानों के द्वारा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के सामाजिक विकास को महत्वपूर्ण रोजगार और विकास की भूमिका का आकलन किया गया है। जिस विकासखण्डों में शिक्षा संस्थानों का उच्च स्तर पाया जाता है। वहॉ के लोगों को रोजगार आर्थिक विकास तथा सामाजिक स्थिति अच्छी होती है।

## अमरोहा जनपद में स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं की वर्तमान स्थिति 2017–18

| क0 सं0 | विकासखण्ड | एलोपैथिक चिकित्सालय औषधालय | | | | आयुर्वेदिक | | | यूनानी | | | होम्योपैथिक | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र | प्राथमिक स्वा0 केन्द्र | | | केन्द्र | शैय्या | डा0 | केन्द | शैय्या | डा0 | केन्द | शैय्या | डा0 |
| | | | केन्द्र | शैय्या | डा0 | | | | | | | | | |
| 1 | अमरोहा | 0 | 3 | 12 | 4 | 2 | 8 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 |
| 2 | जोया | 0 | 5 | 120 | 24 | 3 | 16 | 3 | 1 | 4 | 1 | 1 | 0 | 0 |
| 3 | धनौरा | 0 | 4 | 16 | 6 | 1 | 4 | 1 | 1 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | गजरौला | 0 | 4 | 8 | 5 | 1 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 |
| 5 | हसनपुर | 0 | 3 | 6 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 2 |
| 6 | गंगेश्वरी | 2 | 4 | 68 | 4 | 2 | 8 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 |
| | | 2 | 23 | 230 | 47 | 9 | 40 | 7 | 2 | 8 | 2 | 7 | 0 | 3 |
| | | 6 | 8 | 260 | 38 | 3 | 23 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| | | 8 | 31 | 490 | 85 | 12 | 63 | 9 | 3 | 8 | 2 | 8 | 0 | 4 |

स्रोतः– 1–जिला सांख्यिकी पत्रिका 2017–18।
2–जिला स्वास्थ्य मिशन अमरोहा जनपद 2017–18।

अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा में स्वास्थ्य चिकित्सा के वर्तमान स्थिति के अन्तर्गत सामाजिक विकास की भूमिका का महत्वपूर्ण बिन्दु स्वास्थ्य चिकित्सा है। जनपद के निवासियों को स्वास्थ्य चिकित्सा के महत्वपूर्ण चिकित्सालय एलोपैथिक आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथिक महत्वपूर्ण चिकित्सालय केन्द्र अध्ययन क्षेत्र में स्थित है। शोधार्थी के द्वारा अपने अध्ययन क्षेत्र में एलोपैथिक चिकित्सा के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सा के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सालय के माध्यम से सेवा उपलब्ध कराते है। जनपद में 2017–18 की सांख्यिकी पत्रिका के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 8 हैं। ग्रामीण स्तर पर 2, तथा नगरीय क्षेत्रों में 6 है। प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सालय की संख्या 31 है जिसमें ग्रामीण स्तर पर 23 तथा नगरीय क्षेत्रों में8 है। आयुर्वेदिक चिकित्सालय की कुल संख्या 12 है। ग्रामीण क्षेत्रों में 9 तथा नगरीय क्षेत्रों में 3 आयुर्वेदिक संस्थान चिकित्सालय स्थित है। यूनानी स्वास्थ्य चिकित्सा केन्द्रों की संख्या 3 है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों मे 2 तथा नगरीय क्षेत्रों में 1 स्थित है तथा होम्योपैथिक स्वास्थ्य चिकित्सा की संख्या 8 है। ग्रामीण स्तर पर 7 होम्योपैथिक स्वास्थ्य चिकित्सालय तथा नगरीय क्षेत्रों में 1 है। इस प्रकार शोधार्थी ने अपने शोध अध्ययन क्षेत्र में विकासखण्डवार स्वास्थ्य चिकित्सा के माध्यम से सामाजिक विकास के बिन्दुओं का मूल्यांकन किया गया है। एलोपैथिक स्वास्थ्य चिकित्सा का अध्ययन दो बिन्दुओ द्वारा अध्ययन किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सालय विकासखण्डवार का उच्च स्तर के प्रखण्ड जोया 5, नौरा 4, गजरौला 4, गंगेश्वरी 4 है तथा न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड हसनपुर , अमरोहा 3, निम्न स्तर के स्वास्थ्य केन्द्र है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सालय गंगेश्वरी 2 उच्च स्तर के प्रखण्ड स्वास्थ्य केन्द्र हैं। नगरीय क्षेत्रों में 6 है। प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर डाक्टरो की संख्या अमरोहा 4, जोया 24, धनौरा 6, गजरौला 5, हसनपुर 4, गंगेश्वरी 4 है। आयुर्वेदिक चिकित्सालय की संख्या विभिन्न प्रखण्डों में उच्च स्तर पर जोया 3, अमरोहा 2, गंगेश्वरी 2, धनौरा 1, गजरौला 1 है तथा हसनपुर0 है। शैय्याओं की स्थिति विकासखण्ड 63 है , जिसमें ग्रामीण स्तर पर 40 है तथा नगरीय स्तर 23 है। और विभिन्न प्रखण्ड में जोया 16, अमरोहा 8, गंगेश्वरी 8, धनौरा 4, गजरौला 4, हसनपुर 0, शैय्याओं की संख्या है तथा डाक्टरों की संख्या उच्च स्तर पर जोया 3, धनौरा 1, अमरोहा 1, गजरौला 1, गंगेश्वरी 1 डाक्टरों की संख्या है । हसनपुर में 0 है। यूनानी स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या के अनुसार जोया 1, धनौरा 1, उच्च स्तर पर है तथा सभी प्रखण्डों में 0 है। शैय्याओं की जोया में 4, धनौरा 4, है डाक्टरों की संख्या 1–1 है। होम्योपैथिक स्वास्थ्य चिकित्सालय की स्थिति वर्तमान गजरौला 2, हसनपुर 2, जोया 1, अमरोहा 1, गंगेश्वरी में 1 है। शैय्याओं की संख्या सभी प्रखण्डों में 0 है। डाक्टरों की स्थिति गजरौला 1, धनौरा 2 है सभी प्रखण्डों में 0 है। इस प्रकार शोधार्थी के द्वारा अध्ययन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के अन्तर्गत सामाजिक विकास के पहलुओं का अध्ययन किया जा सकता है।

## भूमि उपयोगः–

भूमि प्रकृति का एक महत्वपूर्ण निःशुल्क संसाधन है भूमि उपयोग भूमि कार्यक्षमता भूमि उपजाऊपन, भूमि की गुणवत्ता के विभिन्न स्तरों पर भूमि का वर्गीकरण किया गया है। वर्ष 2017 72018 के अनुसार भूमि का उपयोग आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण केन्द्र है। भूमि की कुल 216879 हे0 भूमि का उपयोग ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में किया जाता है। ग्रामीण स्तर पर विभिन्न प्रखण्डों में 212331 हे0 भूमि का उपयोग फसल उत्पादन, वन ,ऊसर भूमि कृषि योग्य भूमि , कृष्य बेकार भूमि , चारागाह, उद्यान अन्य वर्तमान परती भूमि उपयोग विभाजित है।

## अमरोहा जनपद के आर्थिक विकास में भूमि उपयोग की स्थिति

### 2017–18

| क्र0 सं0 | विकासखण्ड | कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल | वन | कृष्य बेकार भूमि | वर्तमान परती | अन्य परती | ऊसर भूमि | कृषि अतिरिक्त भूमि | चारागाह | उद्यान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अमरोहा | 32608 | 98 | 24 | 16 | 6 | 2 | 2648 | 12 | 21 |
| 2 | जोया | 36084 | 65 | 5 | 5 | 4 | 14 | 3477 | 8 | 9 |
| 3 | धनौरा | 41804 | 10058 | 26 | 75 | 38 | 32 | 2735 | 0 | 0 |
| 4 | गजरौला | 29097 | 1728 | 25 | 121 | 23 | 173 | 2840 | 3 | 13 |
| 5 | हसनपुर | 33394 | 1122 | 22 | 46 | 79 | 258 | 2433 | 9 | 32 |
| 6 | गंगेश्वरी | 39344 | 7930 | 36 | 176 | 68 | 47 | 3413 | 157 | 29 |
| | योग ग्रामीण | 212331 | 21001 | 138 | 439 | 218 | 529 | 17546 | 189 | 104 |
| | योग नगरीय | 4548 | 0 | 0 | 58 | 17 | 0 | 1577 | 0 | 0 |
| | योग जनपद | 216879 | 21001 | 138 | 497 | 235 | 529 | 19123 | 189 | 104 |

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका अमरोहा जनपद 2017–18
जिला कृषि निदेशालय विभाग अमरोहा

जनपद अमरोहा में आर्थिक विकास के लिए भूमि उपयोग के विभिन्न स्तरों पर भूमि फसल उत्पादन, फसल वितरण के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। जो कि विभिन्न प्रखण्डों में भूमि उपयोग का प्रतिरूप बदलता जा रहा है। विभिन्न प्रखण्डों मे ं भूमि उपयोग का विकास 21001 हे0 वन क्षेत्र, 138 हे0 कृषि बेकार भूमि, वर्तमान परती 439 हे0, अन्य परती 218 हे0,ऊसर भूमि 529 हे0, कृषि अतिरिक्कत भूमि 17546 हे0 चारागाह भूमि 189 हे0 उद्यान एवं झाड़ियॉ 104 हे0, नगरीय क्षेत्रों में परती भूमि 58, हे0 अन्य परती भूमि 17 हे0, कृषि अतिरिक्त भूमि 1577 हे0 है। भूमि उपयोग के भूमि के उपयोग की अनेक समस्यायें बढ़ती जा रही है। भूमि उपयोग का सही उपयोग करके भूमि की गुणवत्ता को बनाये रखने की आवश्यकता है।

## अमरोहा जनपद का औद्योगिक विकास का परिदृश्य 2014–15

| क0 सं0 | विवरण | संख्या |
|---|---|---|
| 1 | जनपद में पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों की कुल संख्या | 1640 |
| 2 | मध्यम एवं बृहद् इकाइयों की संख्या | 32 |
| 3 | सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों की संख्या | 1608 |
| 4 | मध्यम एवं वृहद् इकाइयों में नियोजित कर्मकारों की संख्या | 3558 |
| 5 | मध्यम एवं वृहद् इकाइयों की वार्षिक टर्नओवर | 890.91 लाख रूपये में |
| 6 | सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों में नियोजित दैनिक कर्मकारो की संख्या | 15331 |
| 7 | सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों का वार्षिक टर्नओवर | 270.86 लाख रूपये में |
| 8 | औद्योगिक आस्थानों की संख्या | 02 |

स्रोतः– जिला सांख्यिकी पत्रिका अमरोहा जनपद 2014–15
जिला औद्योगिक संस्थान अमरोहा
सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास इन्डस्ट्रियल आगरा 2014–15

जे0 पी0 नगर अमरोहा जनपद औद्योगिक दृष्टि से कुटीर गृह सूक्ष्म से लेकर मध्यम वर्ग के अनेक उद्योग स्थापित है। 2014 के अनुसार कुल पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों की संख्या 1640 है उनमें से मध्यम एवं लघु वृहद् स्तर के उद्योगों की संख्या 32 है। सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों की संख्या 1608 है । मध्यम एवं वृहद् इकाइयों का नियोजित कर्मकारों की संख्या 3558 है । सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों के श्रमिकों की संख्या 15331 है। सूक्ष्म उद्योगों की वार्षिक टर्नओवर 270.86 लाख रूपये है। इस प्रकार औद्योगिक परिदृश्य का मूल्यांकन किया गया है।

## अमरोहा जनपद में औद्योगिक विकास 2014–15

| क्र0सं0 | मद | 2012–13 | 2013–14 | 2014–15 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | पंजीकृत कारखाना संख्या | 112 | 109 | 79 |
| 2 | चयनित कारखानों के अन्तर्गत | | | |
| 2.1 | कार्यरत कारखानों की संख्या | 70 | 110 | 67 |
| 2.2 | कारखाने जिससे रिटर्न प्राप्त हुए | 70 | 76 | 41 |
| 3 | औसत दैनिक कार्यरत श्रमिकों व कर्मचारियों की संख्या | 17549 | 20109 | 3541 |
| 4 | उत्पादन मूल्य(हजार रूपये में) | 43626455 | 47745613 | 8381793 |

स्रोतः– महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र अमरोहा 2014–15

अध्ययन क्षेत्र मे औद्योगिक परिदृश्य का विकास 2014–15 के अनुसार पंजीकृत कारखानों की संख्या 2012–13 में 112, 2013–14 में 109, 2014–15 में 79 है। चयनित कारखानों के अन्तर्गत कार्यरत कारखानों की संख्या 2012–13 में 70, 2013–14 में 110, 2014–15 में 67 है। कारखानें 70, 76, 41 औसत दैनिक कार्यरत श्रमिकों कर्मचारियों की संख्या 2012–13 में 17549, 2013–14 में 20109, 2014–15 में 3541 है। उत्पादन मूल्य हजार रूपये में 2012–13 में 43626455 में 2014–15 में 8381793 लाख रूपया है। विकास का परिदृश्य विभिन्न वर्षो में भिन्न–भिन्न रहा है। औद्योगिक विकास का बदलता हुआ स्वरूप में प्राप्त हुआ है।

## औद्योगिक विकास का भावी नियोजन की आवश्यकताः–

उद्योग धन्धे का विकास आधुनिक मानव समाज की आवश्यकता बन गयी है। मानव समाज के बहुआयामी विकास और सुख–सुविधाओं को जुटाने में आधुनिक उद्योगों व उनमें निर्मित परिष्कृत सामग्री को नकारा नहीं जा सकता है। जैसे रोजगार की प्राप्ति आय की प्राप्ति , राजस्व की प्राप्ति, वस्तुओं एवं सेंवाओं की प्राप्ति स्थानीय कच्चे माल की प्राप्तिद्व, स्थानीय बाजारों का विस्तार करने की योजना ही भावी नियोजन है। अध्ययन क्षेत्र मैदानी भाग होने के कारण अमरोहा जनपद कृषि प्रधान औद्योगिक क्षेत्र है। आजादी के पश्चात् कृषि उद्योग व सेवा क्षेत्र के समन्वित विकास की नीति लागू होने के बाद यहॉ पर द्वितीयक, तृतीयक व प्राथमिक कार्य कृषि आधारित आर्थिक विकास के पहलुओं की उपलब्धता बढ़ती जा रही है। यहॉ के लोगों का परम्परागत व्यवसाय नहीं रहा है। आर्थिक विकास के औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए एक दीर्घकालीन बनाकर औद्योगिक क्षेत्रों की विकास की आवश्यकता है। औद्योगिक विकास के साथ साथ सामाजिक विकास में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा आर्थिक विकास के साथ कृषि भूमि उपयोग का विकास दीर्घकालीन योजना के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता है।

शोधार्थी ने अपने अध्ययन क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के पहलुओं का मूल्यांकन कर अध्ययन क्षेत्र में सामाजिक विकास के सभी स्तरों को प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक व चतुर्थ कार्यकलापों का दीर्घकालीन नियोजन को अपनाने की आवश्यकता है। सामाजिक विकास के साथ औद्योगिक विकास के कौशल तकनीकी के नवीन उपकरणों का उपयोग कर औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण अवनयन के ह्रास रहित पहलुओं के विकास करने की आवश्यकता है जो निम्न बिन्दु हैं–

1–औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिकों को प्रशिक्षग की व्यवस्था देकर।
2–कौशल विकास योजना के माध्यम से नवीन वैज्ञानिक , तकनीक को विकसित करके।
3–अध्ययन क्षेत्र में विकासखण्ड स्तर पर उद्योग ट्रेनिंग सेन्टरो की स्थापना एवं प्रशिक्षित करके रोजगार को विकसित करना।
4–कृषि क्षेत्रों में भूमि का सही उपयोग करके।
5–शिक्षा ,स्वास्थ्य, रोजगार के नये आयाम विकसित करके।
6–मानव कल्याण सहयोग की भावना विकसित करके।
7–ग्रामीण क्षेत्रों में नये कौशल तकनीक एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना करके।
8–जनसंख्या नियंत्रण , रोजगार में वृद्धि, पर्यावरणीय समस्याओं में कमी महत्वपूर्ण है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1 – जे0 पी0 नगर अमरोहा जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2012,2014,2018।
2 – जे0 पी0 नगर अमरोहा जनपद जनगणना हस्तपुस्तिका भाग 12ब व 2011।
3 – उ0 प्र0 राज्य औद्योगिक विकास निगम लि0 लखनऊ के प्रतिवेदन।
4 – जिला उद्योग केन्द्र अमरोहा के प्रतिवेदन।
5 – डिस्ट्रिक्ट गजेटियर आफ मुरादाबाद 1968 उ0 प्र0 शासन।
6 – दैनिक समाचार पत्र अमरोहा संस्करण 2017 ।
7 – कृषि विभाग जनपद अमरोहा 2017–18 ।
8 – औद्योगिक आस्थान गजरौला भाग–1 व 2 क्षेत्रीय कार्यालय बरेली।
9 – जिला बेसिक शिक्षा निदेशालय इलाहाबाद उ0 प्र0।
10 – जिला आर्थिक विकास पत्रिका अमरोहा जनपद ।
11 – डॉ0 के0 एन0 सिंह–कृषि का आर्थिक नियोजन पृष्ठ सं0–63।
12 – योजना पत्रिका कुरूक्षेत्र पेपर लेख आदि।
13 – डॉ0 चान्दना–जनसंख्या भूगोल।
14 – एस0 एन0 तिवारी, कृषि भूमि का वर्गीकरण।
15 – जिला मुख्यालय औद्योगिक प्रदूषण नियन्त्रण केन्द्र अमरोहा।